राज्यपाल मंगुभाई पटेल शुक्रवार को महानवरात्रि पर्व पर राजभवन परिसर स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित हवन एवं पूर्णाहुति कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारियों के साथ शामिल हुए। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महानवमी पर मुख्यमंत्री निवास में कन्या-पूजन कर कन्या भोज की सनातन परंपरा का निर्वाह किया।

मुख्यमंत्री ने कन्या-पूजन और कन्या-भोज की सनातन परंपरा का किया पालन

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शारदीय नवरात्र की महानवमी पर मुख्यमंत्री निवास में कन्या-पूजन और कन्या-भोज की सनातन परंपरा का पालन किया।

मातृ-शक्ति के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा प्रदर्शित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे और उनका विधि-विधान से पूजन किया। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कन्याओं को चुनरी ओढ़ाई और आरती उतारी। पूजन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्याओं से संवाद कर उन्हें दुलारा भी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या-पूजन के बाद कन्याओं को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसा और उनकी रूचि के अनुरूप मिष्ठान भी खिलाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या भोज के बाद सभी कन्याओं को दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोक्षदायिनी मां सिद्धिदात्री के चरणों में शत-शत प्रणाम कर प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने मातारानी से सभी को संकल्प सिद्धि के असीम आशीर्वाद के साथ मंगलमय और सुखमय जीवन की प्रार्थना भी की।

बालिका दिवस पर दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शक्ति स्वरूपा सभी बेटियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्य में बेटियों के सम्मान, समग्र शिक्षा, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिये सेवाभाव के साथ अहर्निश कार्यरत है।

राज्यपाल ने राजभवन में किया कन्या-पूजन

राज्यपाल मंगुभाई पटेल महा नवरात्रि पर्व पर राजभवन के कर्मचारियों के साथ परिसर स्थित मंदिर में कन्या-पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश और देश के विकास और निवासियों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। श्री पटेल ने राजभवन परिसर स्थित मंदिर में माँ दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना की। हवन एवं पूर्णाहूति कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री पटेल ने कन्याओं को तिलक लगाकर अभिनंदन किया और उपहार भेंट किए।

अमिताभ को दी शुभकामनाएं और जेपी को किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दादा साहेब फाल्के एवं पद्मविभूषण से सम्मानित महानायक अमिताभ बच्चन को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. यादव ने बाबा श्रीमहाकाल से श्री बच्चन के स्वस्थ, सुदीर्घ और मंगलमय जीवन की कामना की है। वहीं डॉ. यादव ने महान लोकतंत्र रक्षक सेनानी, भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर कोटिश: नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयप्रकाश नारायण जी ने आपातकाल के विरुद्ध सम्पूर्ण क्रांति का शंखनाद कर भारत के महान लोकतंत्र की रक्षा में अद्वितीय योगदान दिया। उनका सम्पूर्ण जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों व आदर्शों के सुपथ पर अडिग होकर चलने की प्रेरणा देता है।

शस्त्र-पूजन के साथ मनाया जाएगा दशहरा पर्वः डॉ. यादव

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे भारतीय पर्व उमंग और उल्लास के प्रतीक होते हैं। इस वर्ष प्रदेश में दशहरा पर्व सरकार और समाज मिलकर धूमधाम के साथ मनाएंगे और शस्त्र-पूजन भी किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दशहरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष का दशहरा पर्व महिला सशक्तिकरण और सुशासन की प्रतीक देवी अहिल्याबाई को समर्पित रहेगा। देवी अहिल्याबाई ने देश भर में जन-कल्याण के अनेक महती कार्य संपन्न करवाए। इन कार्यों की स्मृति और देवी अहिल्याबाई के योगदान से आज की पीढ़ी को अवगत करवाने और उनके सम्मान में दशहरा पर्व पर शस्त्र-पूजन के कार्यक्रम होंगे।

डॉ.यादव ने कहा कि इस दशहरा पर्व पर भारत की प्राचीन शस्त्र-पूजन परंपरा में सरकार के मंत्रीगण सहित सांसद, विधायक और जन-प्रतिनिधि भी अपने क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रत्येक जिले में पुलिस शस्त्रागार, कोतवाली और थानों में होने वाले शस्त्र-पूजन एक विभाग तक सीमित न होकर जनता का पर्व बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं देवी अहिल्याबाई की राजधानी रही महेश्वर और उनकी छावनी रही इंदौर में शस्त्र-पूजन करेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि हम अहिल्याबाई की 300वीं जयंती का वर्ष मना रहे हैं। लोकमाता देवी अहिल्याबाई का व्यक्तित्व, जीवन और चरित्र हम सबके लिये आदर्श है। वे एक तपोनिष्ठ, धर्मनिष्ठ और कर्मनिष्ठ शासक, प्रशासक रही है। उनसे हम सबको प्रेरणा लेना चाहिये। देवी अहिल्याबाई ने धर्म के भाव के साथ शासन व्यवस्था चलाने का बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उनका धर्म तथा राज्य व्यवस्था में विशेष महत्व है। उनका मुख्य ध्येय था कि उनकी प्रजा कभी भी अभावग्रस्त और भूखी नहीं रहे। उनके सुशासन की यशोगाथा पूरे देश में प्रसिद्ध है। उन्होंने समाज-सेवा के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया था।